भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी वकास और गंगा संरक्षण वभाग

लोक सभा

अतारां कत प्रश्न संख्या 805

दिनांक 24 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

.....

केरल में भूजल स्तर में गरावट

805. डॉ. एम. पी. अब्दुस्समद समदानीः

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार को केंद्रीय भूजल बोर्ड और केरल भूजल वभाग द्वारा कए गए हा लया अध्ययनों की जानकारी है, जो पछले दशक के दौरान केरल के समुद्रतटीय क्षेत्रों में भूजल स्तर में 30 से 40 प्रतिशत की गरावट दर्शाते हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस कमी के लए बोरवेल का प्रसार, जलवायु परिवर्तन और अनिय मत मानसून का प्रभाव सहित पहचाने गए प्रमुख कारण क्या हैं;

(ग) क्या सरकार के पास पारंपरिक खुले कुएँ प्रणा लयों को प्रोत्साहित करने और बोरवेल तथा ट्यूबवेल के माध्यम से अत्य धक निकासी को नियंत्रित करने के लए वशेषकर से कासरगोड, पलक्कड़, चत्तूर और मालमपुझा जैसे संवेदनशील ब्लॉकों में कोई ल क्षत योजनाएँ या केंद्र-सहायता प्राप्त योजनाएँ हैं, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) राज्य में भूजल पुनर्भरण और जल भंडारण क्षमता में सुधार के लए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क) और (ख): केन्द्रीय भू म जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा केरल के तटीय और तटवर्ती क्षेत्रों सहित देश भर में प्रत्येक वर्ष में चार बार भूजल स्तर की मॉनिटरिंग की जाती है। केरल राज्य में सीजीडब्ल्यूबी द्वारा 330 भूजल मॉनिटरिंग कुओं के नेटवर्क के माध्यम से तटीय जिलों में भूजल स्तर की मानीटरिंग की गई है। भूजल स्तर में दीर्घका लक उतार-चढ़ाव का आकलन करने के लए, नवंबर 2024 में रिकॉर्ड कए गए जल स्तर की तुलना 330 कुओं के अवलोकनों के आधार पर नवंबर (2014-2023) के जल स्तर के दशकीय औसत से की गई है। इन जल स्तर आंकड़ों के वश्लेषण से यह ज्ञात हुआ है क मॉनिटरिंग कए गए लगभग 69% कुओं में भूजल स्तर में वृद् ध हुई है। तटीय जिलों के संबंध में दशकीय उतार-चढ़ाव का जिला-वार ब्यौरा अनुलग्नक-I में दिया गया है।

जल निष्कर्षण में वृद् ध और सी मत पुनर्भरण एवं भंडारण क्षमता के कारण कुछ शहरी पॉकेटों में जल स्तर में स्थानीय स्तर पर गरावट आई है।

(ग): केरल में भूजल के निष्कर्षण का वनियमन केरल भू म जल (नियंत्रण एवं वनियमन) अ धनियम, 2002 के अंतर्गत केरल राज्य भूजल प्रा धकरण द्वारा कया जा रहा है। प्राप्त सूचना के अनुसार, प्रा धकरण मालमपुझा, चत्तूर, कासरगोड जैसे अ धसू चत क्षेत्रों में नए बोरवेल के निर्माण के लए पर मट के प्रावधान को अनिवार्य बनाया जा रहा है और राज्य में औद्यो गक और अवसंरचनात्मक उद्देश्यों के लए भूजल निष्कर्षण के लए अनाप त्त प्रमाण-पत्र अनिवार्य है। कच्चे माल /जल गहन उद्योगों के रूप में भूजल का उपयोग करने वाले उद्योगों को वनियमन तंत्र के हिस्से के रूप में अ धसू चत क्षेत्रों में भूजल निकासी के लए अनाप त्त प्रमाण पत्र नहीं दिया जाएगा।

(घ): जल राज्य का वषय है। भूजल से संबं धत मुद्दों के समाधान का दायित्व मुख्यत संबं धत राज्य सरकारों का है। तथा प, केन्द्र सरकार द्वारा अपनी व भन्न स्कीमों और परियोजनाओं के माध्यम से तकनीकी और वत्तीय सहायता के माध्यम से राज्य सरकारों के प्रयासों को समर्थन प्रदान कया जाता है। इस दिशा में, जल शक्ति मंत्रालय और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा केरल राज्य सहित देश के भूजल संसाधनों में सुधार के लए उठाए गए महत्वपूर्ण कदम निम्न ल खत हैं: -

- सरकार द्वारा वर्ष 2019 से केरल सहित देश में जल शक्ति अ भयान (जेएसए) का कार्यान्वयन कया जा रहा है। यह वर्षा संचयन और जल संरक्षण गति व धयों के लए एक मशन मोड और समयबद्ध कार्यक्रम है। जेएसए एक व्यापक अ भयान है जिसके तहत व भन्न केंद्रीय और राज्य योजनाओं के अ भसरण में व भन्न भूजल पुनर्भरण और संरक्षण संबंधी कार्य कए जा रहे हैं। जेएसए डैशबोर्ड पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वर्ष 2021 से केरल में कुल लगभग 5.92 लाख जल संरक्षण और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण /नवीनीकरण कया गया है। इसके अतिरिक्त, नागरिकों द्वारा जल संबंधी ज्ञान और परामर्श के प्रसार के लए जिला स्तर पर 14 जल शक्ति केंद्र स्था पत कए गए हैं।
- केन्द्रीय भू म जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा जलभृत्तों की प्रकृति और उनके व शष्टीकरण की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जलभृत्त मान चत्रण और प्रबंधन कार्यक्रम (नैक्यूम) शुरू कया गया है। केरल में लगभग 28,088 वर्ग कलोमीटर सहित देश के लगभग 25 लाख वर्ग कलोमीटर के कुल मै पंग योग्य क्षेत्र में इस योजना के तहत मै पंग का कार्य कया गया है और जिलावार भूजल प्रबंधन योजनाएं, जिनमें मांग और आपूर्ति दोनों पक्ष के उपाय शा मल हैं, कार्यान्वयन के लए संबं धत राज्य /जिला प्रशासन के साथ साझा कए गए हैं।

- सीजीडब्ल्यूबी द्वारा केरल सहित पूरे देश के लए भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण के लए मास्टर प्लान-2020 को तैयार कया गया है और राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा कया गया है, जिसमें 185 बीसीएम (बि लयन क्यूबिक मीटर) जल का दोहन करने के लए देश में लगभग 1.42 करोड़ वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के लए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान की गई है। केरल के लए, मास्टर प्लान में लगभग 7.49 लाख संरचनाओं की सफारिश की गई है।

- कृ ष और कसान कल्याण वभाग (डीए और एफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015-16 से केरल सहित पूरे देश में प्रति बूंद अ धक फसल योजना का कार्यान्वयन कया जा रहा है। यह योजना सूक्ष्म संचाई के माध्यम से खेत स्तर पर जल उपयोग दक्षता में वृद् ध और उपलब्ध जल संसाधनों के उपयोग को अनुकू लत करने के लए बेहतर ऑन-फार्म जल प्रबंधन प्रथाओं पर केंद्रित है।

- मशन अमृत सरोवर भारत सरकार द्वारा शुरू कया गया था, जिसका उद्देश्य जल भंडारण बढ़ाने और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 जल निकायों का वकास और पुनरुद्धार करना था। इसके परिणामस्वरूप, देश में स क्रय सामुदायिक भागीदारी के साथ लगभग 69,000 अमृत सरोवर का निर्माण/पुनरुद्धार कया गया है, जिनमें से 865 संरचनाएं केरल में हैं।

- मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को भूजल के वकास के वनियमन हेतु उपयुक्त वधान अ धनिय मत करने में सक्षम बनाने के लए एक मॉडल बिल परिचा लत कया है जिसमें वर्षा जल संचयन का प्रावधान भी शा मल है। अब तक केरल सहित 21 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने भूजल कानून को अपनाया और कार्यान्वित कया है।

*****

अनुलग्नक **-I**

"केरल में भूजल स्तर में गरावट" के संबंध में दिनांक **24.07.2025** को लोक सभा में उत्तर के लए देय अतारां कत प्रश्न संख्या 805 के भाग (क) और (ख**)** के उत्तर में उल्लि खत अनुलग्नक।

केरल के समुद्रतटवर्ती और तटीय क्षेत्रों के लए औसत (मानसून पश्चात **2014** से **2023)** और मानसून के बाद **2024 (**असी मत जलभृत) के साथ दशकीय जल स्तर में उतार-चढ़ाव **(**मीटर में)

जिला	वश्लेषण कए गए कूपों की संख्या	वृद् ध						गरावट						वृद् ध		गरावट	
		0-2		**2-4**		**>4**		**0-2**		**2-4**		**>4**					
		संख्या	**%**	संख्या	**%**	संख्या	**%**	संख्या	**%**	संख्या	**%**	संख्या	**%**	संख्या	**%**	संख्या	**%**
अलापुझा	61	40	66	1	2	1	2	19	31	0	0	0	0	42	69	19	31
एर्नाकुलम	27	18	67	0	0	0	0	8	30	1	4	0	0	18	67	9	33
कासरगोड	12	7	58	1	8	1	8	3	25	0	0	0	0	9	75	3	25
कोल्लम	49	28	57	1	2	0	0	17	35	3	6	0	0	29	59	20	41
कोट्टायम	21	10	48	0	0	0	0	10	48	1	5	0	0	10	48	11	52
कोझीकोड	32	20	63	5	16	0	0	7	22	0	0	0	0	25	78	7	22
मलपपुरम	20	17	85	1	5	0	0	2	10	0	0	0	0	18	90	2	10
पठानम थट्टा	16	11	69	0	0	0	0	5	31	0	0	0	0	11	69	5	31
तिरुवनंतपुरम	48	31	65	3	6	0	0	13	27	1	2	0	0	34	71	14	29
त्रिशूर	24	22	92	0	0	0	0	2	8	0	0	0	0	22	92	2	8
कन्नूर	20	10	50	0	0	0	0	10	50	0	0	0	0	10	50	10	50
कुल	330	214	64.85	12	3.64	2	0.61	96	29.09	6	1.82	0	0.00	228	69.09	102	30.91

*****